**Regarding urgent need to recruit faculties in veterinary colleges of Maharashtra**

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे (लातूर) : थैंक्यू सभापति जी, मैं महाराष्ट्र सरकार की गंभीर लापरवाही को लेकर अत यंत महत्वपूर्ण मुद्दा इस सदन के समक्ष रखना चाहता हूँ ।

महोदय,महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधीन पशु चिकित्सा और दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों में लगभग 65 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। प्रोफेसर के पद उससे ज्यादा खाली हैं। यह किसी एक विभाग का नहीं, बल्कि पूरे पशुपालन विभाग की तबाही का संकेत है। वर्ष 2018 के बाद कोई भर्तियां नहीं हुई हैं, लगातार सेवानिवृत्तियां हो रही हैं और आज हाल यह है कि सिर्फ 40 प्रतिशत स्टाफ पूरे राज्य के पशु चिकित सा शिक्षा को संभाल रहा है ।

महोदय, यह शैक्षणिक ढांचे का पतन है । इसका परिणाम मेरे चुनाव क्षेत्र के उदगीर कॉलेज पर भी पड़ा है । अत: मैं आपके माध्यम से माननीय पशुपालन एवं डेयरी केन्द्रीय मंत्री से यह मांग करता हूँ कि महाराष्ट्र में पशु चिकित्सा महाविद्यालयों की 100 प्रतिशत फैकल्टी की भर्ती तुरंत शुरू की जाए । बीसीआई और आईसीएआर के सभी मानकों का तत्काल अनुपालन किया जाए ।

महोदय, यह मुद्दा सिर्फ शिक्षण संस्थानों का नहीं, बल्कि पशुधन, किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भविष्य तय करता है। धन्यवाद।